"Knowledge Scholar"
An International Peer Reviewed E-Journal Of Multidisciplinary Research
Volume: 10, Issue: 02, Mar. – Apr. 2023 eISSN NO. 2394-5362
Impact Factor (SJIF) – 6.323

G 20 और भारत की अध्यक्षता

कैलाश चन्द यादव
शोधार्थी
राजस्थान

G **20** का गठन वर्ष 1990 के दशक के अंत के वित्तिय संकट की पृष्टभूमि में किया गया। जिसने विशेष रूप से पूर्वी एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया को प्रभावित किया था। इसका उद्देश्य मध्यम आय वाले देशों को शामिल करके वैश्विक वित्तीय स्थिरता को सुरक्षित करना था । G 20 समूह में अर्जेंटीना, आस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाड़ा, चीन, यूरोपियन यूनियन, जर्मनी भारत, इण्डोनेशिया, इटली, जापान मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रिका, कोरिया गणराज्य, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं । G 20 की अध्यक्षता प्रत्येक वर्ष सदस्यों के बीच चक्रीय रूप से प्रदान की जाती है और अध्यक्ष पद धारण करने वाला देश, पिछले और अगली अध्यक्षता धारक के साथ मिलकर G 20 एजेंडा की निरन्तरता सुनिश्चित करने के लिए ट्रोइका बनाता है वर्तमान मे ट्रोइका इण्डोनेशिया, भारत व ब्राजील है। G 20 का स्थायी सचिवालय नहीं हैं। एंजेडा और कार्य का समन्वय G 20 देशों के प्रतिनिधियों द्वारा किया जाता है जिन्हें शेरपा के रूप में जाना जाता है। जो वित्त मंत्रियों और केन्द्रिय बैंको के गवर्नर के साथ मिलकर कार्य करता है। समूह का प्राथमिक जनादेश अर्न्तराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए है जिसमें दुनिया भर में भविष्य के वित्तिय संकटों को रोकने हेतु विशेष जोर दिया गया है । यह समूह वैश्विक आर्थिक एंजेडा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

शोध का उद्देश्य –

1. भारत एक उभरती हुई महाशक्ति है जो विकसित देशों से अपनी प्रतियोगिता सिद्ध करता है ।
2. भारत की वैश्विक उभरती हुई लीडरशीप को दर्शाना।
3. पाकिस्तान को काउंटर करता हुआ भारत के दृष्टिकोण को प्रदर्शित करना ।
4. भारत के पर्यटन के महत्व को वैश्विक मंच पर रखना ।
5. वैश्विक पर्यावरण की उभरती समस्या को पर्यटन के माध्यम से दूर करने का उपाय सुझाना।
6. धारा 370 को हटाने के बाद जम्मु और कश्मीर की वास्तविक स्थिति दूनिया के सामने प्रदर्शित करना ।

7. पाकिस्तान, चीन, तुर्की व सऊदी अरब द्वारा वार्ता को बायकॉट करने के बावजूद भारत के शेरपा, अमिताभ कांत, द्वारा भारत के दृष्टिकोण का मजबूती से पेश किया उसको प्रदर्शित करना ।
8. $G\ 20$ में भारत की बढ़ती भूमिका व महत्ता को प्रदर्शित करना ।

साहित्य समीक्षा

– वी. श्रीनिवास $G\ 20$ @ 2023 :– The Roadmap to Indian presidency A panoramic view

– आलोक शील :– Evolution of the G 20 and India's upcoming presidency

– मंजीत कृपलानी : India in the G 20 Rule taker to Rule maker

भारत का पद देखें तो हाल के वर्षो में भारत ने न सिर्फ अपनी बात कही बल्कि भारत ने अपने और तमाम छोटे बड़े विकसित देश बनने जा रहे जा रहे हैं, उसको साथ लेकर उनकी आवाज बनने की कोशिश की है। तमाम विकसित देशों ने विकास शील देशों पर पर्यावरण प्रदूषण या ग्लोबल वार्मिंग के लिए, सारा दोष थोपने की थी जिसका भारत ने बखुबी कांउटर किया है। उन तमाम बातों को देखें तो भारत का जो ग्लोबल स्टैंण्ड रहा है वह इन्डिविजुअल से आगे निकालकर एक लीडरशीप पोजिशन भारत ने बनाई है भारत ही तमाम विकासशील देशों की आवाज बनकर सामने आया है। इससे लगता है कि होने वाले $G\ 20$ शिखर सम्मेलन में भारत अपनी पॉजिशन को ओर भी स्ट्रॉग करेगा । $G\ 20$ का अध्यक्ष होने के नाते भारत $G\ 20$ का एंजेडा तैयार करवायेगा ।

भारत के महत्वपूर्ण मुद्दे :–

- ❖ भारत समावेशी, न्याय संगत और सतत विकास, महिला सशक्तिकरण, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा और तकनीक – सक्षम विकास, जलवायु वित्त पोषण, वैश्विक खाद्य सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा आदि चाहता है।
- ❖ जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर $G\ 20$ ने इस सदी के मध्य तक वैश्विक शून्य ग्रीनहाऊस गैस उत्सर्जन या कार्बन तटस्थता प्राप्त करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। भविष्य की महामारियों को रोकने की तैयारी करने और प्रतिक्रिया देने के लिए महामारी कोष के गठन के लिए वित्त एवं स्वास्थ्य मंत्रालयों के बीच स्वास्थ्य सुरक्षा, सहयोग में कुछ अंतराला देखा जा सकता है। जलवायु वित्तपोषण एक अन्य क्षेत्र है जिस पर भारत को सम्पन्न देशों से साथ काम करना है। मध्यम और निम्न आय वाले देशों को स्वच्छ प्रोद्यौगिकी और नवीनीकरण ऊर्जा को हस्तान्तरण के लिए विकसित देशों को प्रोत्साहित करना होगा और ऐसा करते हुए भारत को अपने असाधारण सौर ऊर्जा रिकार्ड का प्रदर्शन करना चाहिए।
- ❖ $20\ G$ का मुख्य ध्यान दीर्घकालिक आर्थिक विकास हासिल करने पर है, सभी के लिए भोजन, उवर्रक और ऊर्जा सुरक्षा की गारंटी की दिशा में प्रयास जारी रखने होगें, विशेष रूप से वंचित

परिवारों के लिए यूक्रेनी सामानों के निर्यात के लिए ब्लैक सी ग्रेन इनिशिएटिव का पूर्ण कार्यान्वयन और निरन्तरता भारत के लिए एक बड़ी चुनौती होगी।

- ❖ वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी में है और दुनिया भर में वित्तीय अस्थिरता है । भारत को अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF), आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD), विश्व व्यापार संगठन (WTO), विश्व बैंक और वित्तीय स्थिरता बोर्ड के साथ मिलकर स्थिति से निपटने के लिए एक रोडमैप तैयार करना है।
- ❖ $G\,20$ प्रेसीडेंसी के रूप में भारत प्रौद्योगिकी के लिए मानव केन्द्रित दृष्टिकोण में अपने विश्वास को आगे बढ़ा सकता है और कृषि से लेकर शिक्षा तक के क्षेत्रों में डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे, वित्तीय समावेशन और तकनीकी समक्ष विकास जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में साझाकरण की सुविधा प्रदान कर सकता है।
- ❖ महिला सशक्तिकरण और प्रतिनिधित्व, भारत के $G\,20$ विचार विमर्श मूल में होने के साथ भारत समावेशी विकास और विकास को उजागर करने के लिए $G\,20$ मंच का उपयोग करने की उम्मीद करता है । इसमें एसडीजी के सामाजिक आर्थिक विकास और उपलब्धि को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं को आगे लाने और अंग्रेजी पदों पर ध्यान केन्द्रित करना शामिल है।

भारत की अध्यक्षता ऐसे ही समय में आई है जब दुनिया कई चुनौतियों का सामाना कर रही है, जिसमें ताइवान में प्रति चीनी आक्रामकता, रूस–युक्रेल संघर्ष के कारण बढ़ते खाद्य और ऊर्जा संकट, उत्तर कोरिया की लगातार बढ़ता जुझारूपन और वैश्विक आर्थिक मंदी शामिल है।

- पहला और सबसे अहम चुनौती रूस युक्रेन संघर्ष है। यहाँ युद्ध के मैदान में युक्रेन से पीछे हटने के लिए पश्चिम और रूस दोनों को समझाने के लिए रचनात्मक और संवेदनशील तरीके से सोचने की जरूरत है । रूस को $G\,20$ से बाहर करना जैसा कि पश्चिम चाहता है संभव नही है। न ही रूस युक्रेन संघर्ष हमेशा के लिए जारी रह सकता है, यह देखते हुए कि भारत के पश्चिम और रूस दोनो के साथ मजबूत संबंध है और दोनों युद्ध और हथियारों की मुद्राओं के माध्यम से ही उलझे हुए है दोनो को खुनी गतिरोध से बाहर लाने के लिए मध्यस्थ के रूप में भारत की भूमिका के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता है। यह भारत की $G\,20$ अध्यक्षता के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी और यदि सफल रही तो इसका सबसे बड़ा परिणाम होगा।
- दुसरी चुनौती बढती कीमते विशेष रूप से भोजन की और इसके परिणामस्वरूप दुनिया भर में व्यापक मुद्रास्फीति अपने आप ही शांत हो जायगी । यदि ऐसा नहीं होता है, तो इस चुनौती को अलग से संबोधित करने की आवश्यकता होगी।
- तीसरी चुनौती ऊर्जा है, रूस दुनिया को सिखा रहा है कि उसके खिलाफ प्रतिबंध भविष्य में उसकी अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं, लेकिन अल्पावधि में ये प्रतिबंध विफल हो रहे हैं। रूस की प्रतिक्रिया में सबसे अधिक संवेदनशील गैस पर निर्भर युरोपीय देश है। इस मोर्चे पर

भारत के तीन अलग अलग ऊर्जा हितो मोटे तौर पर ऊर्जा उत्पादको $G\,20$ (अमेरिका रूस और सऊदी अरब) बनाम ऊर्जा उपभोक्ताओं (यूरोप और अन्य) को एक कार्यशील मंच पर ले जाने की आवश्यकता है। खाद्य और ऊर्जा की बढ़ती कीमतों के कारण मुद्रास्फीति बढ़ती है।

- चौथी चुनौती यह है कि देश किस तरह से समस्या को ठीक करने का प्रयास कर रहे हैं लोकतंत्र में उच्च कीमतें राजनीतिक अस्थिरता का कारण बन सकती है कीमतों पर किसी भी कीमत पर अंकुश लगाना आर्थिक आवश्यकता नहीं है । यह समान रूप से एक राजनीतिक प्राथमिकता है , भारत को $G\,20$ एजेडे को निर्धारित करने की आवश्यकता है जो मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए तत्काल भोजन की कमी का प्रबंधन करते हुए नई खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण को उत्प्रेरित करता है । इसके साथ ही इसे विकास तर्क को मजबुत करना चाहिए, जिसका एक पहलु कम ब्याज दर है।
- पांचवी चुनौती है बढ़ती महंगाई के साथ साथ आर्थिक विकास का धीमा या स्थिर होना। विकसित देशों में यह खपत में गिरावट के रूप में दिखाई देता है, क्योकि बढ़ती कीमतों की उम्मीद में परिवार अपनी खरीद को कम कर देते है जो बदले में विकास को धीमा कर देता है, इसके लिए नीतिगत समाधान आवश्यक है। परिवारों को नकदी सौपे, लेकिन विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में, उपभोग – वृद्धि समीकरण की गुंजाइश सीमित है सरकारों के हाथों में समाधान कम है और नकदी बांटने की क्षमता कठिन है भारत जैसी खाद्य पर्याप्त अर्थव्यवस्थाओं में खाद्य वितरण एक नीतिगत कारवाई है। भारत को इस मुद्दे को $G\,20$ की मेज पर रखने की आवश्यकता होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि यह मंच भोजन की कमी वाली अर्थव्यवस्थाओं पर अतिरिक्त ध्यान दें। यदि सरकारी पंप प्राइमिंग आवश्यक है, तो शर्त है कि विकास के हरे अंकुर दिखाई देने चाहिए।

उपाय

- रूस युक्रेन संघर्ष समाधान के लिए रचनात्मक व समावेशी तरीके से सोचने की आवश्यकता है। भारत को एक उभरती हुई लीडरशीप के रूप में मध्यस्था की भूमिका निभाने का प्रयास करना चाहिए । पश्चिम व रूस के मध्य विकसित साझा सम्बन्धों को पुर्नजीवित किया जावे। वैश्विक विकास व वैश्विक स्थिरता के लिए रूस युक्रेन संघर्ष का समाधान करना आवश्यक होगा ।
- बढ़ती कीमते, मुद्रास्फीति, तेल की बढती कीमतों का समाधान भी आर्थिक मोर्चे पर करना आवश्य होगा, इसके लिए $G\,20$ एक उचित मंच होगा तथा अध्यक्षता के नाते भारत की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका होगी खाद्यान्न आपूर्ति के वैकलपिक रास्ते तलाशने होंगे जिसमें भारत का नेतृत्व सर्वोपरि होगा।
- उर्जा संकट का समाधान करने के लिए भारत को वैकल्पिक उर्जा स्त्रोतों के विकास के लिए अग्रणी भूमिका निभानी होगी जिसमें भारत अच्छी प्रगति कर रहा है। भारत नवीनीकरण ऊर्जा का अच्छा उत्पादक सिद्ध हो रहा है तथा कम कार्बन उत्सर्जन वाली तकनीकी का प्रयोग भी भारत द्वारा किया जा रहा है। ऐसा रचनात्मक प्रयास भारत के नेतृत्व को सिद्ध करता है।

- राजनीतिक स्थिरता के लिए लोकतंत्र की उच्च कीमतों को बनाये रखना आवश्यक है भारत ने उच्च लोकतंत्र का आदर्श दूनिया के सामने रखा है, इस प्रकार राजनीतिक स्थिरता के लिए सम्पूर्ण दूनिया में लोकतंत्र का प्रसार करना आवश्यक है।
- बढ़ती महंगाई व आर्थिक विकास में स्थिरता के लिए नीतिगत प्रयास करना आवश्यक होगा। उत्पादन का विस्तार, वितरण व उपभोग के मानक निर्धारित कर बढ़ती मंहगाई को रोका जा सकता है।

भारत 1 दिसम्बर 2022 से 30 नवम्बर 2023 तक $G\ 20$ की अध्यक्षता कर रहा है तथा भारत के 60 से अधिक शहरों में 200 से ज्यादा बैठकों का आयोजन किया जायेगा । इसका शिखर सम्मेलन नई दिल्ली में आयोजित किया जावेगा तथा हाल ही में श्रीनगर में $G20$ पर्यटन कार्य समूह की भारत ने मेजबानी की जो 2019 के बाद केन्द्रशासित बनने के बाद जम्मु और कश्मीर में इस तरह पहला अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 17 देशों के 60 से ज्यादा प्रतिनिधि शामिल हुए तथा चीन, तुर्की, सऊदी अरब, मिश्र, इण्डोनेशिया व पाकिस्तान द्वारा बायकॉट किया गया । मुख्य रूप से खाडी देशों द्वारा बायकॉट करना भारत को ऊर्जा सुरक्षा की चिंता में डालता है तथा पाकिस्तान द्वारा की जाने वाली अंडगेबाजी सामने आती है। उक्त परिस्थितियों में भारत ने मजबूती से अपना पक्ष रखा है तथा विश्व के सामने शान्ति, स्थिरता, विकास व पर्यटन को अच्छी तरह पेश किया गया है । भारत के शेरपा अमिताभ कांत ने अपने भाषण में भारत की बढ़ती हुई लीडरशीप को प्रदर्शित किया तथा आये हुए प्रतिनिधियों ने जम्मु व कश्मीर में पयर्टन विकास तथा पर्यटन विकास की सम्भावनाओं को सराहा।

उपरोक्त अध्ययन तथा लेख के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है कि भारत की $G\ 20$ में महत्वपूर्ण भूमिका है तथा वैश्विक मंच पर भारत एक महाशक्ति का रूप होता जा रहा है तथा पाकिस्तान भारत के सामने बौना साबित हो रहा है। आज हर देश समस्या समाधान के लिए भारत की ओर देख रहा है। यूक्रेन युद्ध, बढ़ती मंहगाई, आर्थिक स्थिरता, जलवायु परिवर्तन और समावेशी विकास सभी के समाधान में भारत का नेतृत्व महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है तथा निभायेगा।

सन्दर्भ सूची

1. जनसत्ता न्यूज पेपर
2. दैनिक जागरण न्यूज पेपर
3. https://pib.gov.in
4. The Hindu News paper
5. Indian Council of world Affairs
6. Sanchar Santhi.Gov.in
7. https://icsr.org
8. https://www.insinghtson india.com